IQAC ACTIVITIES

Session 2024-25

S. No.	Activity	Date
1.	**FDP on Designing, Developing and Delivering MOOCs**	**17th-22nd March, 2025**

Govt. V.Y.T. PG Autonomous College, Durg

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

"FDP on Designing, Developing and Delivering MOOCs"

(17th-22nd March, 2025)

Report

Day 1: Dr K Srinivas: Introduced to MOOCs Swayam, ePG pathshala, google classroom, open LMS ginomio.com, basic requirements for Course designing, Open AI Tools Viz notebooklm.ai; anuvadika.ai, edpuzzle.ai, gamma.ai

Day 2: Dr Deepak Bishla: prezi, plotagon, napkin.ai, gamma.ai, meta.ai, image gemini, oneshot, markmap.ai, anuvadini.ai, google ai studio, evalbee.ai; h5p video editor and Tool to detect AI content: gptzero.me. ai

Day 3: Dr Piyush Lotia : Appropriate use of AI like chat gpt and gemini to create images, videos and design course structure

Day 4: Dr Vinod Patle : gave hands on training on how to login to moodle.com and create a course and use the LMS.

Day 5: Mr Rajeshwar Dewangan: gave hands-on session on graphic designing tool "coral draw", all participants installed the software and learnt to use it to create image. Also trained the participants on usage of Wondershare filmora for video editing, using effects, stickers, transitions etc

Day 6: Dr Amit S Rajput and Dr Saji T Chacko shared their experience on why and what was motivation to create the MOOCs, what challenges they faced and how did they overcome those phases.

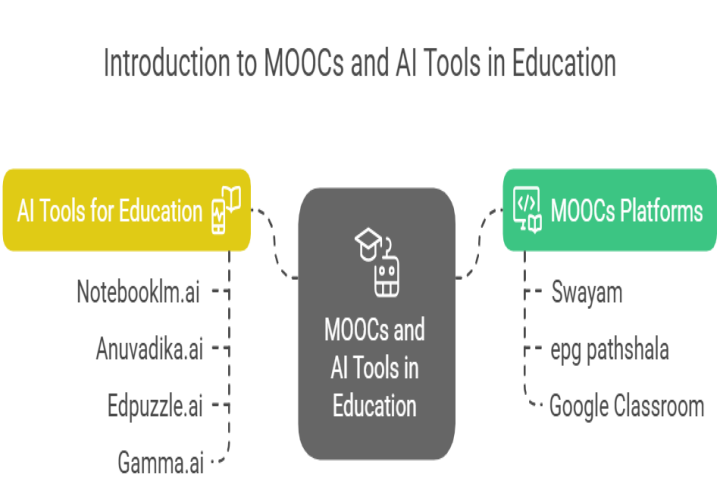

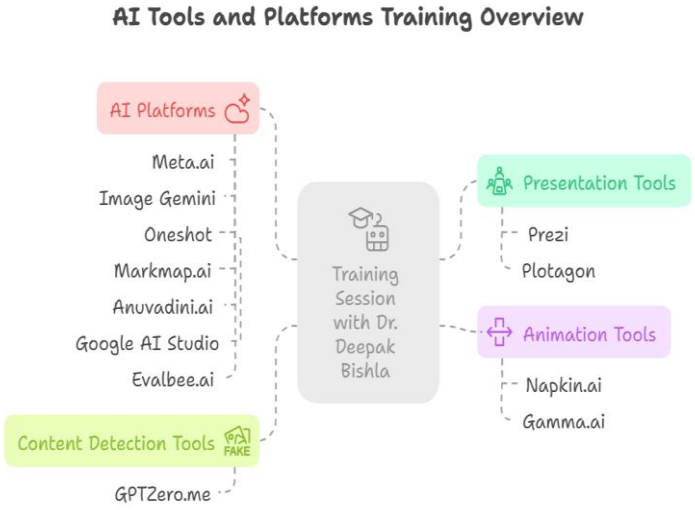

Educational Workshop Sequence

AI Training by Dr. Piyush Lotia

Participants learn to use AI tools for creative tasks

Moodle Course Creation by Dr. Vinod Patle

Participants practice logging into Moodle and creating courses

Graphic Design with Mr. Rajeshwar Dewangan

Participants use Coral Draw and Wondershare Filmora for design and video editing

MOOCs Motivation by Dr. Amit S Rajput and Dr. Saji T Chacko

Instructors share insights on MOOCs creation and challenges

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}

नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज

फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,

Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 24.03.2025

प्रेस विज्ञप्ति

साईंस कालेज दुर्ग में फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम आयोजित

मूक्स, के–डिजाइनिंग डेव्हलपिंग एवं डिलिवरी उच्चशिक्षा में वर्तमान समय की आवश्यकता

मूक्स, के–डिजाइनिंग डेव्हलपिंग एवं डिलिवरी उच्चशिक्षा में वर्तमान समय की आवश्यकता है, इसके अंतर्गत विद्यार्थी एवं प्राध्यापक दोनों डिजिटल लर्निंग तथा नवीनतम आरटी फिशियल इंटेलिजेंस से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है। ये उद्‌गार शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 7 दिवसीय फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए विशेषज्ञों ने व्यक्त किये। यह जानकारी देते हुए प्रोग्राम के आयोजन सचिव डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी एवं डॉ. सुनीता मैथ्यू ने संयुक्त रूप से बताया कि महाविद्यालय के नये भवन में स्थित कम्प्यूटर प्रयोगशाला में आयोजित इस कार्यशाला की संयोजक डॉ. जगजीत कौर सलूजा थी, जबकि आयोजन समिति के सदस्य के रूप में डॉ. तरलोचन कौर, डॉ. संजू सिन्हा, डॉ. अभिषेक मिश्रा तथा डॉ. कुसुमांजलि देशमुख ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने इस फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम को विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के हित में मील का पत्थर निरूपित करते हुए कहा कि यूजीसी की दिशा निर्देशानुसार विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ–साथ मूक एवं स्वयं जैसे ऑनलाईन प्लेटफार्म में उपलब्ध लघु अवधि के कोर्स में प्रवेश लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहिये ।इन कोर्स के प्राप्त क्रेडिट को विद्यार्थियों के नियमित क्रेडिट कोर्स में शामिल करने का प्रावधान भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में है।

डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी के अनुसार प्रोग्राम के प्रथम दिन नई दिल्ली के राष्ट्रीय समन्वयक, मूक्स एवं प्रमुख आईसीटी एवं परियोजना प्रबंधन एनआईईपीए नई दिल्ली के डॉ. के. श्रीनिवास ने सभी प्रतिभागियों को मूक्स प्लेटफार्म जैसे स्वयं, ई–पीजी पाठशाला, गूगल क्लास रूम तथा ओपन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम की मूलभूत जानकारी प्रदान की। उन्होंने पाठ्यक्रम डिजाइन का भी प्रशिक्षण दिया। ये आईटूल्स के

उपयोग पर भी डॉ. श्रीनिवास ने विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों ने अनेक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा का समाधान किया। फैकल्टी डेव्हलपमेंट प्रोग्राम के दूसरे दिन डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सिस्टम प्रशासक और आईसीटी प्रमुख डॉ. दीपक बिसला ने विभिन्न के. आई. टूल्स इमेज जमेनी, वन शॉट तथा गूगल एआई स्टूडियो का प्रदर्शन करते हुए विडियो एडिटर तथा कंटेंट डिटेक्शन टूल की रोचक जानकारी दी।

संयोजक डॉ. जगजीत कौर सलूजा के अनुसार तीसरे दिन शासकीय कन्या पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, रायपुर के प्राचार्य डॉ. पीयूष लोटिया ने चैट जीपीटी के अनुप्रयोग एवं उसकी महता से संबंधित जानकारी देते हुए विभिन्न एआई प्लेटफार्म का प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने इमेज, विडियो तथा पाठ्यक्रम संरचना डिजाईन का प्रशिक्षण भी दिया। चतुर्थ दिन पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के डॉ. विनोद पटले ने मूडल पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जिसमें लॉगिन प्रक्रिया, पाठ्यक्रम निर्माण तथा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के उपयोग की जानकारी शामिल थी। पांचवे दिन एसएसटीसी भिलाई के श्री राजेश्वर देवांगन ने कम्प्यूटर पर कोरल ड्रा के उपयोग पर व्यवहारिक सत्र आयोजित किया सभी प्रतिभागियों में इस साप्टवेयर को इन्ट्राल कर चित्र का निर्माण सीखा। उन्होंने स्टिकर्स एवं ट्रांजिशन का भी प्रशिक्षण दिया।

आयोजन सचिव डॉ. सुनीता मैथ्यू के अनुसार छठवें दिन शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, कोण्डागांव के डॉ. साजीटी चाको ने मूक्स निर्माण में अपनी यात्रा, प्रेरणा, चुनौतियां और समाधान विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। सीएसवीटीयू भिलाई के डॉ. अमित एस. राजपूत ने ऑडियो एवं विडियो एडिटिंग की व्यवहारिक जानकारी दी। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को डिजिटल उपकरणों और एआई आधारित शिक्षण पध्दति की जानकारी दी गयी। इस फैकल्टी डेव्हपमपेंट प्रोग्राम में 50 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

प्रति,

संपादक/ब्यूरो चीफ

दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।

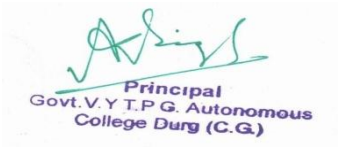

प्राचार्य

FDP ON DESIGNING, DEVELOPING &
DELIVERING OF MOOCS
Shot on OnePlus

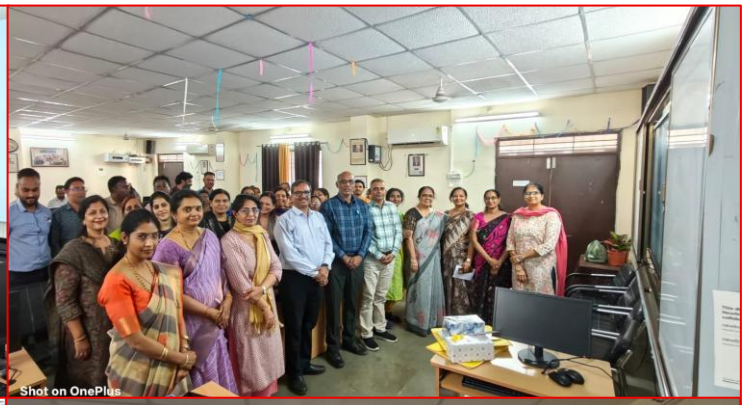
Shot on OnePlus

GPS Map Camera
Durg, Chhattisgarh...
01, Deepak Nagar, Durg, Chhattisgarh
491001, India
Lat 21.19653° Long 81.296448°
18/03/2025 02:59 PM GMT +05:30
Google